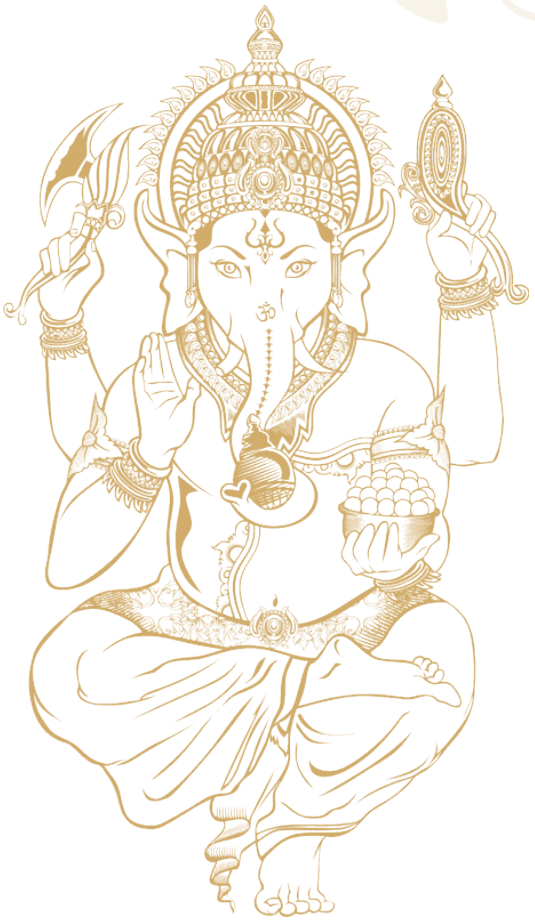

A B

05 May 2009

05:12 AM

Jalandhar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121112002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**4-05/05/2009**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**05:12:00 घंटे**
इष्ट	58:48:36 घटी
स्थान	**Jalandhar**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	31:19:00 उत्तर
रेखांश	75:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:27:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:44:16 घंटे
वेलान्तर	00:03:13 घंटे
साम्पातिक काल	19:36:12 घंटे
सूर्योदय	05:40:33 घंटे
सूर्यास्त	19:08:59 घंटे
दिनमान	13:28:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	20:38:23 मेष
लग्न के अंश	10:23:10 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	व्याघात
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	टो-टोनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	10:23:10	481:48:56	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	---
सूर्य			मेष	20:38:23	00:58:07	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	उच्च राशि
चंद्र			कन्या	00:21:23	13:23:55	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	मित्र राशि
मंगल			मीन	15:35:27	00:46:05	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	मित्र राशि
बुध			वृष	07:32:13	00:11:40	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	मित्र राशि
गुरु			कुंभ	00:25:39	00:07:13	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
शुक्र			मीन	10:16:35	00:32:24	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	शुक्र	उच्च राशि
शनि	व		सिंह	21:02:46	00:01:15	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		मक	09:56:55	00:05:59	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	09:56:55	00:05:59	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष			मीन	01:21:51	00:02:30	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
नेप			कुंभ	02:19:37	00:00:47	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	---
प्लूटो	व		धनु	09:04:43	00:00:53	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
दशम भाव			धनु	28:16:43	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:59:28

लग्न-चलित

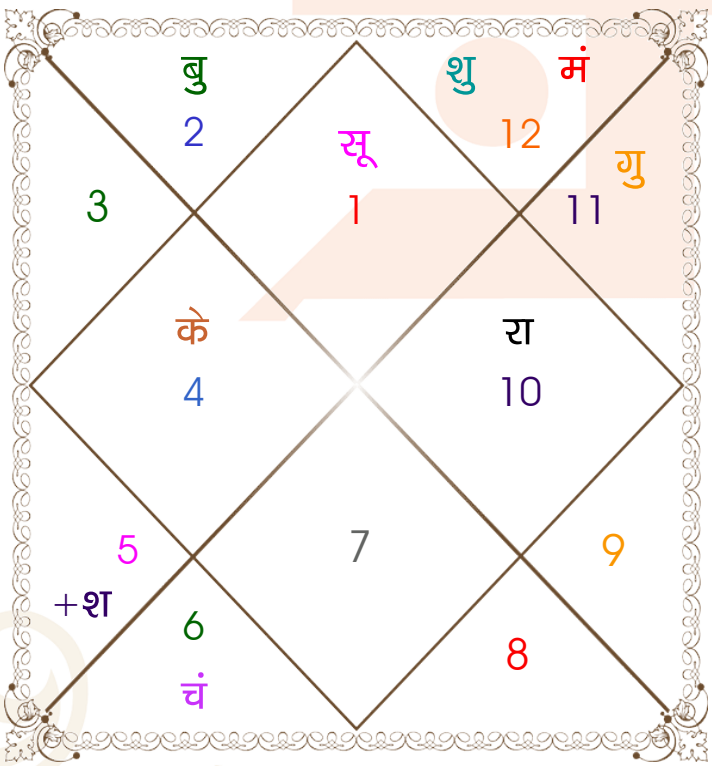

चन्द्र कुंडली

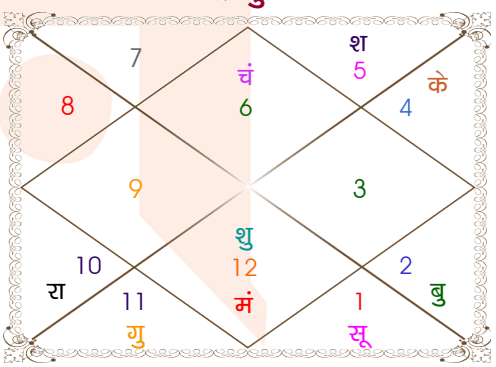

नवमांश कुंडली

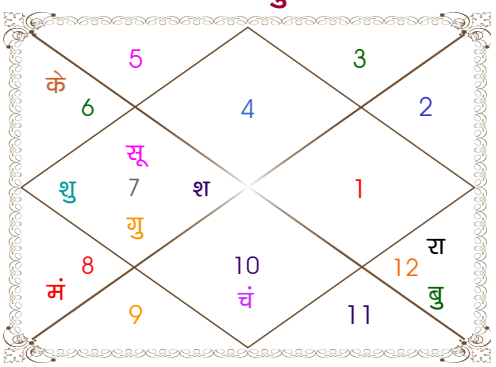

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 4 मास 2 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
05/05/2009		06/09/2013		06/09/2023		06/09/2030		06/09/2048	
06/09/2013		06/09/2023		06/09/2030		06/09/2048		06/09/2064	
	00/00/0000	चंद्र	07/07/2014	मंगल	02/02/2024	राहु	19/05/2033	गुरु	25/10/2050
	00/00/0000	मंगल	05/02/2015	राहु	20/02/2025	गुरु	13/10/2035	शनि	07/05/2053
	05/05/2009	राहु	06/08/2016	गुरु	27/01/2026	शनि	19/08/2038	बुध	13/08/2055
राहु	24/09/2009	गुरु	06/12/2017	शनि	08/03/2027	बुध	07/03/2041	केतु	19/07/2056
गुरु	13/07/2010	शनि	07/07/2019	बुध	04/03/2028	केतु	26/03/2042	शुक्र	20/03/2059
शनि	25/06/2011	बुध	06/12/2020	केतु	31/07/2028	शुक्र	25/03/2045	सूर्य	06/01/2060
बुध	01/05/2012	केतु	07/07/2021	शुक्र	30/09/2029	सूर्य	17/02/2046	चंद्र	07/05/2061
केतु	06/09/2012	शुक्र	08/03/2023	सूर्य	05/02/2030	चंद्र	19/08/2047	मंगल	13/04/2062
शुक्र	06/09/2013	सूर्य	06/09/2023	चंद्र	06/09/2030	मंगल	06/09/2048	राहु	06/09/2064

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
06/09/2064		06/09/2083		07/09/2100		07/09/2107		07/09/2127	
06/09/2083		07/09/2100		07/09/2107		07/09/2127		00/00/0000	
शनि	09/09/2067	बुध	02/02/2086	केतु	03/02/2101	शुक्र	07/01/2111	सूर्य	26/12/2127
बुध	19/05/2070	केतु	30/01/2087	शुक्र	05/04/2102	सूर्य	07/01/2112	चंद्र	25/06/2128
केतु	28/06/2071	शुक्र	30/11/2089	सूर्य	11/08/2102	चंद्र	07/09/2113	मंगल	31/10/2128
शुक्र	28/08/2074	सूर्य	06/10/2090	चंद्र	12/03/2103	मंगल	07/11/2114	राहु	06/05/2129
सूर्य	10/08/2075	चंद्र	07/03/2092	मंगल	08/08/2103	राहु	07/11/2117		00/00/0000
चंद्र	10/03/2077	मंगल	04/03/2093	राहु	25/08/2104	गुरु	08/07/2120		00/00/0000
मंगल	19/04/2078	राहु	21/09/2095	गुरु	01/08/2105	शनि	07/09/2123		00/00/0000
राहु	23/02/2081	गुरु	27/12/2097	शनि	10/09/2106	बुध	08/07/2126		00/00/0000
गुरु	06/09/2083	शनि	07/09/2100	बुध	07/09/2107	केतु	07/09/2127		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 4 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्विनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में सिंह राशि के द्रेष्काण, कर्क राशि के नवमांश एवं मेष लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्नादि के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आप अपने भविष्य में कोई भी कार्य निश्चित समय पर प्रारंभ करेंगे। आप व्यक्तिगत रूप से व्यवहार कुशल, किसी पर भी दिल से विश्वास करने वाले, तथा किसी भी कार्य को दृढ़तापूर्वक अपने भरोसे प्रारंभ करने वाले एक अच्छे भाग्यशाली व्यक्ति हैं।

जन्म प्रभाव से आप चंचल प्रकृति के प्राणी हैं। आप अकेले अपनी समझ से पूर्ण विश्वसनीयता एवं श्रद्धा पूर्वक अपने लक्ष्य की ओर किसी भी वस्तु को उपार्जित करते हैं तथा अपना लक्ष्य भेदन कर लेते हैं। आपका जन्म चर लग्न एवं चर नवमांश में हुआ है। फलस्वरूप आप किसी कार्य को करने के पहले हिचकते हैं। तथा उसे एक बार नकारात्मक समझ लेते है पुनः किसी भी क्षण उसे पसंद कर कार्य रूप देते हैं।

आप में निःसंदेह बहुत सारे कार्य संपादन के अधिकार अर्थात् गुण विद्यमान है। आप किसी के अधीन रह कर किसी भी कठिन कार्य को सुगमता पूर्वक एवं विस्तार पूर्वक अच्छी प्रकार निष्पादन कर लेते हैं। आप में आश्चर्यजनक शक्ति विद्यमान है, एवं आपका स्वाभिमान आप में द्रुत गति से कार्य संपादन करने की क्षमता प्रदान करता हैं।

आप बुद्धिमत्ता पूर्वक नवीन कल्पना से एक बार किसी भी कार्य का संचालन कर लेते हैं। परंतु आपकी योजना को निष्पादन करने में कोई न कोई व्यवधान उपस्थित हो जाता है। क्योंकि संचालित कार्य को अधूरा छोड़ कर आपका झुकाव किसी नये उद्यम की ओर हो जाता है। जिसे आप स्वयं संपादन करना चाहते हैं। यदि आप इन आदतों को त्याग दें तो आप सफलता के उच्च शिखर पर पहुंच सकते हैं।

आप किसी भी विस्तृत योजना या खरीददारी पर शीघ्रता पूर्वक किसी धन का निवेश नहीं करें अन्यथा यह आवश्यक है कि जल्दबाजी के सौदे से कोई अन्य गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाएगी।

आप प्रेम संबंध में अत्यंत स्पष्टवादी एवं उत्साही प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्रेम प्रस्ताव को ठुकरा देंगे क्योंकि आप एक अच्छे स्वभाव के सौम्य पुरुष हैं। परंतु कोई आपको बहुत प्यार करता है तो आप उसके वशी भूत न होकर, धैर्य पूर्वक पवित्र आत्मा से स्वतंत्र रहना चाहते हैं।

यह स्पष्ट है कि आपका विस्तृत पारिवारिक जीवन छोटी-मोटी बाधाओं को छोड़ कर उत्तम और अनुकूल रहेगा। आपके जन्मप्रभाव से ऐसा निर्देश प्राप्त हो रहा है कि आप असामयिक माता-पिता बनने का आनंद प्राप्त नहीं करेंगे। आप पुत्र सुख प्राप्ति की प्रत्याशा छोड़ दे। आपको आपके पुत्र के साथ सदैव अस्वाभाविक संयोग एवं संबंध स्थापित होने की संभावना है अर्थात् उत्तम पुत्र सुख का अभाव रहेगा। अस्तु आपको अपने पुत्र के साथ धैर्य पूर्वक एवं समझदारी के साथ सामान्य व्यवहारिकता अपनानी चाहिए ताकि बच्चे के दिल पर

कोई आघात न लगे। बल्कि पुत्र के साथ किसी भी रूप में कठोर व्यवहार नहीं करें।

आप शरीर से दुबले-पतले परंतु हृष्ट-पुष्ट एवं बल से युक्त रहेंगे। आप विशाल मस्तिष्क से युक्त परंतु आपके ओठों पर संकीर्णता विद्यमान रहेगा। यह संभव है कि आपकी युवावास्था में ही कोई घाव का चिह्न आपके मस्तक पर लग जाए अर्थात् माथे पर कोई घाव का चिन्ह संभाव्य है। जीवन में कभी भी कोई सामान्य दुर्घटना से आप जख्मी हों सकते हैं। अतः आपको सावधान रहना होगा। परंतु आपको सदैव ही गंभीर दुर्धटना के प्रति सजग भी रहना होगा अन्यथा किसी बड़ी दुर्घटना से मस्तिष्क में चोट लग सकती है। आपको मानसिक वेदना या पश्चाताप न हो अतएव सदैव (लगातार) अपने सिर की सुरक्षा तथा पक्षाघात रोग के प्रति सतर्क रहना पड़ेगा। अतः आपको पर्याप्त मात्रा में निश्चिंतता पूर्वक आपत्ति रहित निद्रा तथा आराम प्राप्त करना चाहिए। आपको निश्चित रूप से मद्य एवं मांसाहार से बच कर रहना चाहिए तथा समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें।

आपके व्यक्तिगत जीवन में अनुकूलता लाने एवं शुभ प्रभाव हेतु कुछ महत्वपूर्ण रंगादि का सेवन महत्वपूर्ण हैं। आपके लिए अनुकूल रंग लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला है जबकि हर दशा में काला रंग का त्याज्यनीय है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके जीवन में अंक 6 एवं 7 अंक अनुकूल नही है, परंतु अंक 9 एवं 1 अंक आपके लिए प्रभावी सिद्ध होगा तथा अंक 4 एवं 8 अंक के प्रति आपका आकर्षण रहेगा।